



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

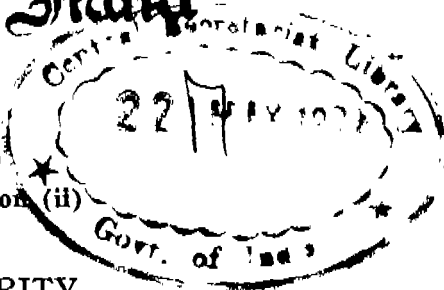
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 188]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 19, 1974/चैत्र 29, 1896

No. 188]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 19, 1974/CHAITRA 29, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Internal Trade)

(Civil Supplies Organisation)

ORDERS

New Delhi, the 19th April 1974

S.O. 256(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (xi) of clause (a) of section 2 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby declares the following commodities to be essential commodities for the purposes of the said Act, namely:—

- (i) Man-made Cellulosic and non-cellulosic filament yarn.
- (ii) Nylon Tyre Yarn/Cord/Fabric.

[No. 26(4)/CS-II/74]

वाणिज्य मंत्रालय

प्रान्तरिक व्यापार विभाग

(सिविल प्रवाय संगठन)

आदेश

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1974

का० प्रा० 256 (अ).—आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 2 के खण्ड (क) के उपखण्ड (Xi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार,

उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित वस्तुओं को आवश्यक वस्तु घोषित करती है, अर्थात् :—

- (i) मानव-निर्मित सैन्यवैयक्तिक और प्रभेद्युक्त तन्तु सूत।
- (ii) नायलोन टायर सूत/होरी/वस्त्र।

[सं० 26(4) सी० एम०-II/74]

S.O. 257(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (xi) of clause (a) of section 2 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 84 dated the 5th January, 1967, namely:—

In the said Order, for item “(2) Rayon Cord”, the following item shall be substituted, namely:—

“(2) Rayon Tyre Yarn/Cord/Fabric.”

[No. 26(4)/CS-II/74]

R. K. TALWAR, Jt. Secy.

का० आ० 257 (अ).—आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 2 के खण्ड (क) के उप खण्ड (Xi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 84 तारीख 5 जनवरी, 1967 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में मद् “(2) रेयन होरी” के स्थान पर निम्नलिखित मद् रखी जायेगी अर्थात् :—

“(2) रेयन टायर सूत / होरी / वस्त्र”।

[सं० 26 (4) / सी० एम०-II/74]

आर० के० तलवार, संयुक्त सचिव।